CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 08

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सम्बंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)**
दहेज प्रथा के कारण ही आज एक साधारण भारतीय परिवार में कन्या का जन्म होते ही परिवार के सभी सदस्यों के चेहरे पीले पड़ जाते हैं और उनका हृदय बुझा-सा हो जाता है। इस प्रथा के कारण कन्याओं को परिवार का बोझ तथा पराया धन आदि समझा जाता है। अनमेल विवाह, आत्महत्या, भ्रष्टाचार, तलाक आदि कुप्रथाएँ इसी दूषित प्रथा के कारण फल-फूल रही हैं। मानसिक व शारीरिक यंत्रणा, धनलोलुपता जैसी । सामाजिक बुराइयाँ, दहेज प्रथा की ही देन हैं। अपनी पुत्री के विवाह में पिता अपनी धन-संपत्ति तक बेच देता है तथा ऋण लेकर अपनी सामर्थ्य से अधिक व्यय करता है, पर दहेज के लालची कभी-कभी इतने से भी संतुष्ट नहीं होते तथा नववधुओं के साथ दुर्व्यवहार करते देखे गए हैं। कभी-कभी तो नववधू को कम दहेज लाने पर या तो स्वयं आत्महत्या करने पर विवश कर देते हैं या उन्हें मिट्टी का तेल छिड़ककर जला देते हैं। दहेज प्रथा से मुक्ति पाने के लिए सरकार ने वर्ष 1961 में दहेज विरोधी कानून पास किया, परंतु इसकी धाराएँ लचर होने के कारण इस पर दृढ़ता से अमल नहीं हो पाया। अब सरकार ने इसे और भी कड़ाई से लागू किया है तथा इसमें उचित संशोधन करके इसे कडा बनाया है। पत्र-पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों तथा संचार माध्यमों द्वारा इस कुप्रथा के विरुद्ध जन-जागृति की जा रही है।

   i. भारतीय परिवार में कन्या-जन्म के पश्चात् परिवार के सदस्यों की कैसी दशा हो जाती है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए। (2)
   ii. दहेज प्रथा के कारण हमारे देश में किन-किन कुरीतियों का जन्म हुआ है? (2)

iii. दहेज के नाम पर नववधुओं को किन समस्याओं को झेलना पड़ता है? (2)

iv. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए (2)

   i. चेहरा पीला पड़ जाना।

   ii. हृदय बुझ-सा जाना।

v. किन-किन माध्यमो से दहेज़ प्रथा के विरुद्ध जन-जागृति की जा रही है? (1)

vi. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

Section B

2. पाँच ऐसे शब्द लिखिए जो नित्य पुल्लिंग हों? **(1)**

3. नीचे लिखे वाक्यों में से **किन्हीं तीन** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर रूपांतरण कीजिए : **(1x3=3)**

   i. ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। **(मिश्र वाक्य में)**

   ii. ततॉंरा ने विवश होकर आग्रह किया। **(संयुक्त वाक्य)**

   iii. आप जो कुछ कह रहे हैं वह बिलकुल सच है। **(सरल वाक्य)**

   iv. प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं। **(मिश्र वाक्य में)**

4. I. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का समास-विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए- (2)

   i. पाप-पुण्य

   ii. नीलकंठ

   iii. तुलसीकृत

   II. निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह को समस्त पद में परिवर्तित करके समास का नाम लिखिए- (2)

   i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई

   ii. राम और कृष्ण

   iii. पाँचों वटों का समाहार

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए- **(4)**

   i. उसके तो मुँह से फूल गिरते हैं।

   ii. छात्रों ने परीक्षा नहीं दी।

   iii. उसकी तो तकदीर टूट गई।

   iv. यह पाठ हमारी पाठ्य-पुस्तक से लिया है।

   v. सैनिकों ने चौकी लूटी गई।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए- **(4)**

   i. बहुत समझाया कि यह काम मत करो, पर उसके कानों पर _____।

ii. भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास के लिए सरकार ने आकाश _____ दिया।
iii. चिटफंड कंपनी बनाकर राजेश ने लाखों रुपये का _____ है।
iv. हरिहर काका की संपत्ति पर उसके भाई _____ जमाए बैठे थे |

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. 'बड़े भाई साहब' पाठ में क्या विचार व्यक्त किए गए हैं? बड़ों और छोटों पर उनका क्या प्रभाव पड़ता है?

   ii. तताँरा वामीरो के प्रश्न का जवाब देने के बजाए उससे एक ही आग्रह क्यों किए जा रहा था? तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर बताइए।

   iii. 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए- "जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है, तब 'प्रैक्टिकल आइडियलिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझ-बूझ ही आगे आने लगती है।"

   iv. 26 जनवरी, 1937 को कोलकाता के रास्तों पर उत्साह और नवीनता देखते ही बनती थी। इसके कारणों एवं नएपन का डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर कीजिए।

8. आज के बदलते परिवेश मे संवेदनशील भावनाएँ समाप्त होती जा रही हैं। अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए। **(5)**

OR

सच्चे देशभक्त में कौन-कौन से गुण होने चाहिए? 'कारतूस' पाठ के संदर्भ में बताइए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये: **(6)**

   i. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-"बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई।"

   ii. बिहारी के प्रस्तुत दोहों में किन-किन विषयों का वर्णन मिलता है?

   iii. तोप अपना महत्त्व किस रूप में बताती है? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   iv. **सुख के दिन** के संबंध में जन सामान्य और कवि के दृष्टिकोण में अंतर आत्मत्राण कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

10. मैथिलीशरण गुप्त ने गर्व-रहित जीवन बिताने के लिए क्या तर्क दी हैं? **(5)**

OR

'कर चले हम फ़िदा' कविता में क्या संदेश दिया गया है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **(6)**

    i. हरिहर काका के गाँव में यदि मीडिया की पहुँच होती, तो उनकी क्या स्थिति होती? अपने शब्दों में लिखिए।

    ii. प्राचीन और आधुनिक शिक्षा प्रणाली को सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Section D

12. **कंप्यूटर हमारा मित्र** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **(6)**

    - क्या है
    - विद्यार्थियों के लिए उपयोग
    - सुझाव

OR

प्रातःकालीन भ्रमण विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - प्रकृति से संपर्क
    - शारीरिक व्यायाम
    - सेहत के लिए उपयोगी व लाभदायक

OR

स्वास्थ्य की रक्षा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

    - आवश्यकता
    - पोषक भोजन
    - लाभकारी सुझाव

13. आप निजी कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोलना चाहते हैं। इस कार्य को आरंभ करने में अत्यधिक धनराशि की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में अपने जनपद के केनरा बैंक के प्रबंधक महोदय को ऋण प्रदान करने हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए। **(5)**

OR

अपने राज्य के परिवहन सचिव को एक पत्र लिखिए, जिसमें आपकी बस्ती तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो ।

14. एक विद्यार्थी जो आज ही एक नई पेन खरीदकर विद्यालय आया था भोजनावकाश तक उसने उस पेन से कार्य किया परंतु उसके पाश्चात् वह उससे कहीं विद्यालय परिसर में गिर गया। इस आशय की सूचना 25-30 शब्दों में जारी करें। **(5)**

OR

आप राहुल, बाल भारती स्कूल के हैड ब्वाय हैं। आपके विद्यालय ने एक चैरिटी शो आसपास के गरीब लोगों के लिए रखा है। इसके लिए विद्यार्थियों को सहयोग देने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

15. तीन मित्र जंगल में रास्ता भटक गए हैं। उनके आपस में होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

वस्तुओं की निरंतर बढ़ती महँगाई की चिंता को लेकर दो महिलाओं में होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

16. आपका अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान उच्चकोटि का है। आप अपने भाषा ज्ञान का लाभ उठाकर गर्मियों की छुट्टियों में अर्थोपार्जन करना चाहते हैं। एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में लिखिए। **(5)**

OR

किसी गारमेंट्स के मालिक की ओर से कपड़ों की सेल को विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper - 08

Answer
Section A

1. i. भारतीय परिवार में कन्या-जन्म के पश्चात् परिवार के सदस्यों में निराशा-सी उत्पन्न हो जाती है उनके चहरे पीले पड़ जाते हैं और उनका ह्रदय बुझा-सा हो जाता है | तथा वे स्वयं को हतोत्साहित-सा महसूस करने लगते हैं। इसका कारण हमारे समाज में उपस्थित एक कुप्रथा है, जिसका नाम है-दहेज प्रथा। दहेज प्रथा के कारण कन्याओं को परिवार का बोझ तथा पराया धन आदि समझा जाता है।
   ii. हमारे देश में बहुत से ऐसे परिवार हैं, जो गरीबी की श्रेणी में आते हैं और उनके पास कन्या-विवाह करने के लिए दहेज के नाम पर दिए जाने वाले धन का अभाव होता है। इसी कारण अनमेल विवाह; आत्महत्या, भ्रष्टाचार, तलाक आदि के साथ-साथ मानसिक व शारीरिक यंत्रणाएँ, धनलोलुपता जैसी कुरीतियों का जन्म हुआ है।आज समाज में फैली सामाजिक बुराईयाँ दहेज़ प्रथा की ही देन है |
   iii. दहेज के नाम पर नववधुओं को मानसिक एवं शारीरिक यंत्रणाएँ झेलनी पड़ती हैं।अपनी पुत्री के विवाह में पिता अपनी धन-संपत्ति तक बेच कर तथा ऋण लेकर अपनी सामर्थ से अधिक व्यय करता है | पर दहेज के लालची लोग नववधुओं के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। जब नववधू अपने ससुराल में कम दहेज लाती हैं, तब वर पक्ष एवं उसका परिवार उसे आत्महत्या करने पर विवश कर देता है या उस पर मिट्टी का तेल से जला कर मार देता है।
   iv. 1. **चेहरा पीला पड़ जाना**—डर जाना/भयभीत हो जाना रात के अँधेरे में उस औरत के लंबे बाल देखकर रमेश का चेहरा पीला पड़ गया।
      2. **ह्रदय बुझ-सा जाना**—उदास हो जाना क्रिकेट मैच में भारत की पराजय से मेरा तो ह्रदय बुझ-सा गया।
   v. दहेज़ प्रथा से मुक्ति पाने के लिए सर्कार ने १९६१ में दहेज़ विरोधी कानून पास किया | परन्तु इसकी धाराएँ लचर होने के कारण इस पर दृढ़ता से अमल नहीं हो पाया |अब सरकार ने इसे और भी कड़ाई से लागु करने के लिए पत्र - पत्रिकाओं,समाचार-पत्रों तथा संचार-माध्यमों द्वारा दहेज़ - प्रथा के विरुद्ध जन-जागृति कर रही है।
   vi. दहेज प्रथा

Section B

2. दिनों, ग्रहों,रत्नों, वृक्षों, पर्वतों के नाम हमेशा पुल्लिंग में रहते हैं ।
3. i. ग्वालियर में जो हमारा एक मकान था, उसके दालान में दो रोशनदान थे। / ग्वालियर में हमारा एक मकान था जिसके दालान में दो रोशनदान |
   ii. ततॉंरा विवश हुआ और उसने आग्रह किया।
   iii. आपका कहा बिलकुल सच है।
   iv. जो प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट होते हैं उनके जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं।
4. I. i. पाप-पुण्य = पाप और पुण्य (द्वंद्व समास)

ii. नीलकंठ = नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास), नीला है जो कंठ (कर्मधारय समास)
iii. तुलसीकृत = तुलसी द्वारा कृत / तुलसी से कृत (तृतीया तत्पुरुष समास/ करण तत्पुरुष)

II. i. बातों-बातों से जो लड़ाई हुई = बातों-बात (बहुब्रीहि समास)
ii. राम और कृष्ण = राम-कृष्ण (द्वंद्व समास)
iii. पाँचों वटों का समाहार = पाँच वटों का समूह - पंचवटी (द्विगु समास)

5. i. उसके तो मुँह से फूल झड़ते हैं।
ii. छात्रों से परीक्षा नहीं दी गई।
iii. उसकी तो तकदीर ही फूट गई।
iv. यह पाठ हमारी पाठ्य-पुस्तक से लिया गया है।
v. सैनिकों द्वारा चौकी लूटी गई।

6. i. जूँ नहीं रेंगी
ii. पाताल एक कर दिया
iii. चूना लगा दिया
iv. गिद्ध दृष्टि

Section C

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

i. प्रस्तुत पाठ में स्पष्ट किया गया है कि बड़ों के पास जीवन के अनुभव अधिक होते हैं, जो हमें सही मार्ग दिखलाते हैं। उनकी शिक्षा या बुद्धि कम होने के बावजूद भी उनके अधिकांश उपदेश एवं सीख छोटों के लिए अत्यंत लाभप्रद होते हैं। प्रस्तुत पाठ बड़ों को इस रूप में प्रभावित करता है। कि हमेशा तार्किक एवं व्यावहारिक बातें ही करनी चाहिए, जबकि छोटों पर यह प्रभाव पड़ता है कि योग्यता अधिक होने के बावजूद बड़ों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए |

ii. तताँरा वामीरो के रूप सौंदर्य को देखकर और मधुर स्वर को सुनकर मानो अपनी सुध-बुध खो बैठा था। वह सम्मोहित होकर केवल वामीरो को देख रहा था। सम्मोहन के कारण उसे वामीरो की आवाज या उसके द्वारा पूछा गया प्रश्न ठीक से सुनाई नहीं दे रहा था। इसी कारण वह प्रश्न का उत्तर देने की बजाय बार-बार तुमने गाना क्यों रोक दिया? गाओ, गीत पूरा करो का आग्रह किए जा रहा था।

iii. जब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' मौके का फ़ायदा नहीं उठा पाते, तो इनके द्वारा आदर्शों का पालन नहीं होता। वे मर्यादा की सीमा को लाँघ जाते हैं तथा सूझ-बूझ और व्यावहारिकता की आड़ लेकर अपने निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए सही-गलत सब काम करते हैं | जहां व्यावहारिकता होती है वहाँ आदर्श टिक नहीं पाते हैं। वास्तव में व्यावहारिकता ही अवसरवादिता का दूसरा नाम है।

iv. 26 जनवरी, 1931 को कोलकाता में स्वतंत्रता दिवस मनाये जाने की पुनरावृत्ति होनी थी। इस दृष्टि से इस महत्त्वपूर्ण दिन को अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह से मनाया जाना तय हुआ था। इस बार लोगों का उत्साह भी देखते ही बनता था। केवल इसके प्रचार मात्र पर ही दो हज़ारे रुपये खर्च किए गए थे। कार्यकर्ताओं ने घर जा-

जाकर लोगों को आंदोलन के बारे में मार्गदर्शन किया था। घरों को ऐसे सजाया गया था मानो कोई त्यौहार हो। इसे सफल बनाने के लिए घरों और रास्तों पर झंडे लगाए गए थे। इसके अलावा जुलूस में शामिल, लोगों का उत्साह चरम पर था। उन्हें पुलिस की लाठियाँ भी रोक पाने में असमर्थ साबित हो रही थीं।

8. लेखक कहना चाहता है कि आज उसका घर जहाँ पर है, वहाँ पहले पेड़ थे, पक्षी और अन्य जानवर भी थे | किन्तु बड़े-बड़े बिल्डरों ने बढ़ती आबादी को देखकर अपने फायदे के लिए समुद्र को पीछे धकेल कर वहाँ पर नई-नई बस्तियां बना रहे हैं | इन बस्तियों के बन जाने से कितने जीवों के घर उनसे छीन गए | लेखक के घर में भी दो कबूतरों ने अपना घोंसला बनाया हुआ था | अपने बच्चों को खिलाने के लिए वे दिनभर खिड़की से आते-जाते रहते थे | इस दिनभर कि आवाजाही में घर के कुछ समान गिर कर टूट जाते थे | कभी-कभी वे उनके पुस्तकालय में घुस कर किताबें गंदी करते या कोई चीज गिराकर तोड़ देते थे | लेखक की पत्नी ने इस परेशानी से तंग होकर उनके घोंसले को वहाँ से हट दिया और खिड़की पर जाली लगवा दी | अब खिड़की के बाहर दोनों कबूतर उदास बैठे रहते हैं। अब न सोलोमेन है न लेखक की माँ जो उनकी व्यथा को महसूस कर सके या उनके दुख में सारी रात नमाज़ पढ़ सके। इस प्रकार आज के बदलते परिवेश में संवेदनशील भावनाएँ समाप्त होती जा रही हैं। मानव पत्थरदिल हो गया है।

OR

सच्चा देशभक्त वही होता है जो अपने देश, उसकी स्वतंत्रता, स्वाभिमान और गौरवमयी अखंडता से प्रेम करता है। इसके लिए वह अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार रहता है। देश-प्रेम प्रकट करने के लिए शत्रु से युद्ध करना ही आवश्यक नहीं है।-प्रस्तुत पाठ के अंतर्गत वज़ीर अली को एक सच्चा देशभक्त दिखाया गया है। देश की खातिर उसने अपनी राजगद्दी तक दांव पर लगा दी। अपने प्राणों की परवाह किए बिना उसने दिलेरी से दुश्मन का सामना किया। अतः एक देशभक्त में बहादुरी ,दृढ़-निश्चय, ज़ाँबाजी ,वफ़ादारी, लगन, हिम्मत और हौसला आदि गुणों का होना आवश्यक है।
अपने देश के शक्तिबोध व सौंदर्य-बोध को बनाए रखकर भी हम अपना देश-प्रेम प्रकट कर सकते हैं अर्थात् यदि हम् अपने देश की तुलना दूसरे देशों से करके उसकी कमियों को उजागर नहीं करते हैं, तो हम उसका शक्तिबोध बढ़ाते हैं और यदि सार्वजनिक स्थानों को साफ़ रखते हैं, घर के बाहर, गली, सड़कों को साफ़ रखते हैं, बाहर जाकर अनुशासन में रहते हैं, तो भी हम देश-प्रेम का परिचय देते हैं |

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:
    i. इस पंक्ति का आशय यह है कि जिस व्यक्ति के हृदय में ईश्वर के लिए विरह रूपी सांप बस जाता है, उस पर कोई उपाय नहीं होता है अर्थात भगवान के विरह में कोई भी व्यक्ति जीवित रहता है ना मरता है । उस पर किसी भी बात का कोई असर नहीं होता है।
    ii. बिहारी के प्रस्तुत दोहों में श्रंगार नीति और भक्ति इन तीनों का समावेश दिखाई देता है। इनमें कृष्ण के रुप सौंदर्य का, ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी का, आपसी बैरभाव भूलकर एकत्र आने का, गोपियों के नटखटपन का, नायिका के विरहाकुल होने का, नायक नायक- नायिका की रति क्रीडा का तथा ईश्वर की सच्ची भक्ति करने का वर्णन किया गया है।
    iii. सुबह-शाम कंपनी बाग में बहुत सारे सैलानी घूमने आते हैं। उस समय कंपनी बाग में रखी गई तोप उन्हें अपना परिचय देते हुए बताती है कि अतीत में वह बहुत सामर्थ्यवान तथा शक्तिशाली थी। उसने बड़े-बड़े वीर सैनिकों

की धज्जियाँ (चिथड़े-चिथड़े) उड़ा दी थीं। इन सबको स्मरण दिलाने के लिए ही कंपनी बाग में तोप रखी गई है।

iv. 'सुख के दिनों' में जन सामान्य सुख को अपने भाग्य का सुफल मानता है और वह प्रभु को भूला रहता है। कवि 'सुख के दिनों' को ईश्वर की कृपा के कारण मिला हुआ मानता है। वह सोचता है कि वह प्रभु को पल भर भी न भूले और सुख में भी उसका सिर झुके वह हरपल प्रभु का चेहरा देखे।

10. "रहा न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।"
प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि ने हमें गर्व-रहित जीवन व्यतीत करने की सलाह दी है। हमें तुच्छ धन-संपत्ति पर अहंकार कर मनुष्यता की प्रवृतियों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। अपनी मदांधता में स्वयं की वर्चस्वशाली तथा अन्य लोगों को अनाथ समझने की भूल कदापि नहीं करनी चाहिए। मनुष्य-मनुष्य को समान समझते हुए, सृष्टि की एकता को समझना है और वह किसी को अनाथ नहीं रहने देता, क्योंकि उसकी विशाल भुजाएँ हमेशा सहायता के लिए उठी रहती हैं।

OR

इस कविता में कवि ने संदेश दिया है कि देश की रक्षा करना हमारा सबसे अहम कर्तव्य है। हमारे मन में यह भावना होनी चाहिए कि भले ही हमारा सिर कट जाए पर देश का सिर ऊँचा रहे। किसी भी शत्रु के अपवित्र कदम इस देश पर न पड़ जाए। हमारे अंदर इतनी शक्ति होनी चाहिए कि हम उसे उसके दुस्साहस का मज़ा चखा सकें। विदेशी ताकतों का सामना करने के लिए, सीमाओं को सशक्त बनाने के लिए 'लक्ष्मण रेखा' ऐसी मजबूत सीमा तैयार करनी है ताकि शत्रु देश में पाँव भी न रख पाएँ। यह देश हम सभी का है और हम सभी को इसकी रक्षा करनी है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. मीडिया का साधन समाज में एक विशेष स्थान है। आज मीडिया समाज की हर घटना को लोगों के सामने लाने का काम कर रही है। मीडिया ने कई असहायक, अपंग, वृद्ध, मानसिक रूप से कमज़ोर व्यक्तियों के जीवन पर रिपोर्टिंग करके उनके जीवन की समस्याओं के प्रति समाज का ध्यान आकृष्ट करने का कार्य किया है। यदि हरिहर काका के गाँव में मीडिया पहुँच होती तो उन्हें वे सब परेशानियाँ और दुःख नहीं झेलने पड़ते, जो उन्होंने झेले। मीडिया आकर हरिरहर काका के ऊपर होने वाली जुल्म को पर्दाफाश कर देते थे।
उनकी इस स्थिति का पता चलने पर मीडिया उनकी कहानी को समाज के सामने रखती, जिससे उनकी समस्या का समाधान आसानी से निकल पाता। में होती तो न तो ठाकुरबारी के साधु-संत एवं महंत और उनके सगे भाइयों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सकती थी।

ii. पाठ के अनुसार प्राचीन शिक्षा प्रणाली में केवल पढ़ाई पर ध्यान दिया जाता था। इसके अतिरिक्त अधिकतर अभिभावक बच्चों को शिक्षित करना आवश्यक नहीं समझते थे। और जो बच्चे विद्यालय जाते भी थे, वे पूरी तरह शिक्षक पर निर्भर थे। शारीरिक दंड पर कोई पाबंदी नहीं थी और गलती करने पर कठोर दंड दिया जाता था। इसके पूर्णतः विपरीत आधुनिक शिक्षा प्रणाली है। इस प्रणाली और व्यवस्था में शिक्षा सबके लिए अनिवार्य है और पढ़ाई के साथ खेल जैसे अतिरिक और प्रायोगिक कार्यों पर भी ध्यान दिया जाता है। अभिभावक बच्चों के पढ़ाई पर ध्यान देते हैं और यथासंभव उनकी मदद करते हैं। शारीरिक दंड देना अपराध है और दंड के स्थान पर अन्य तरीके हैं, जिनको अपना कर बच्चों को सुधारा जा सकता है। छात्रों में हीनता की भावना नहीं होनी चाहिए।

Section D

12. **कंप्यूटर हमारा मित्र**

ऑक्सफॉर्ड डिक्शनरी के अनुसार, "कंप्यूटर एक स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक मशीन है, जो अनेक प्रकार की तर्कपूर्ण गणनाओं के लिए प्रयोग किया जाता है।" कंप्यूटर बिजली से चलने वाली मशीन है, जिसकी प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती है- इनपुट, प्रोसेस, आउटपुट अर्थात् जब हम कंप्यूटर में कोई डाटा इनपुट करते हैं, तो कंप्यूटर उस डाटा को प्रोसेस करके प्रयोगकर्ता को आउटपुट प्रदान करता है।

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सरल बना दिया है। कंप्यूटर बड़े से बड़े काम को कुछ मिनटों में पूरा कर देता है। कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अनिवार्य अंग है। बच्चे हों या युवा, प्रौढ़ हों या बुजुर्ग कंप्यूटर ने सभी वर्गों में अपनी | अनिवार्यता सिद्ध कर दी है। विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर वर्तमान समय में बहु उपयोगी साधन प्रतीत होता है। गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामान्य ज्ञान आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। पढ़ाई-लिखाई से लेकर मनोरंजन आदि तक के लिए कंप्यूटर अपनी महता को दर्शाता है। इन सभी के अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा इसका गलत ढंग से प्रयोग किया जाता है, जिसके कारण वे अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं और जीवन को बर्बाद कर लेते हैं। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अपने मित्र की भाँति करना चाहिए, जिससे वे अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकें। कंप्यूटर का गलत ढंग से उपयोग करने से विद्यार्थियों को बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी को कंप्यूटर का प्रयोग अच्छी चीजों को ढूंढने, अध्ययन आदि करने हेतु करना चाहिए।

OR

प्रातःकालीन भ्रमण

प्रातःकालीन भ्रमण शरीर को स्वस्थ और निरोगी रखने की शारीरिक क्रियाओं में से एक है। प्रातःकाल के भ्रमण से मनुष्य को स्वच्छ वायु प्राप्त होती है, जिससे मनुष्य में एक नवस्फूर्ति और नवजीवन का संचार होता है। मनुष्य प्रकृति के संपर्क में आकर आनंद का अनुभव करता है। प्रकृति के मनोरम दृश्यों को देखकर उसका मन प्रफुल्लित हो उठता है। प्रातःकालीन भ्रमण करने से हमारी शारीरिक शक्ति के साथ-साथ मानसिक शक्ति का भी विकास होता है। हमारे मन से विकार दूर हो जाते हैं। प्रातःकाल मन प्रसन्न होने के कारण मनुष्य का संध्या तक का समय बड़ी प्रसन्नता से व्यतीत होता है।

सुबह की ठंडी वायु प्रत्येक प्राणी के लिए लाभदायक होती है। प्रातःकालीन भ्रमण से व्यक्ति के शरीर तथा मन मस्तिष्क में तरोताज़गी का संचार होता है। प्रातःकालीन भ्रमण व्यक्ति की सेहत के लिए भी बहुत उपयोगी एवं लाभदायक है। हमें प्रातःकाल नियमित रूप से भ्रमण करना चाहिए, जिससे हमारा मन, बुद्धि और शरीर शांत, प्रसन्न एवं दृढ़ रह सके। अतः स्वस्थ, निरोगी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घजीवी बनने के लिए प्रातःकाल का भ्रमण सर्वोत्तम साधन है। वर्तमान युग में तो यह एक वरदान के समान है।

OR

स्वास्थ्य की रक्षा

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।

हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें।

13. परीक्षा भवन,
उत्तर प्रदेश
दिनांक 13 मार्च, 2019 सेवा में,
श्रीमान प्रबंधक महोदय,
केनरा बैंक मोदीनगर,
उत्तर प्रदेश।
विषय कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोलने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु।
मान्यवर, मैं आपको विनम्र रूप से सूचित करना चाहता हूँ कि मैं पिछले कुछ वर्षों से एक विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षक के रूप में कार्यरत हूँ। मैंने उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय से एम.सी.ए. किया हुआ है। कंप्यूटर प्रशिक्षण के क्षेत्र में अत्यधिक रुचि होने के कारण मैंने इस क्षेत्र को अपने व्यवसाय के रूप में चुना है।
मैं अपने मोहल्ले में एक कंप्यूटर प्रशिक्षण संस्था खोलना चाहता हैं, जिससे अधिक-से-अधिक लोग कंप्यूटर का ज्ञान अर्जित कर सकें। मुझे इस व्यवसाय को प्रारंभ करने के लिए बहुत से डिवाइस की आवश्यकता पड़ेगी, जिसके लिए मेरे पास धन का अभाव हैं।
आज ही अखबार में मैंने आपके बैंक द्वारा प्रकाशित किया गया विज्ञापन देखा है, जिसमें कम-से-कम दर पर ऋण देने की बात कही गई है। अतः इस आवेदन के साथ मैं अपने संपूर्ण संबद्ध दस्तावेजों की प्रतिलिपियाँ भेज रहा हूँ। मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि मुझे | विज्ञापन के अनुसार आसान किस्तों पर ऋण प्रदान करने का कष्ट करें।
आपकी अति कृपा होगी।
सधन्यवाद।
भवदीय
करण

OR

परीक्षा भवन,

दिल्ली।

दिनांक 13 मार्च, 2019 सेवा में,

परिवहन सचिव महोदय,

दिल्ली सरकार, दिल्ली।

विषय अपनी कॉलोनी तक नए बस मार्ग हेतु।

मान्यवर, मैं उत्तर-पश्चिम दिल्ली के विकासपुरी, डी ब्लॉक का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बड़ी जनसंख्या निवास करती है, जिसमें अधिकांश लोग दिल्ली के विभिन्न भागों में कार्यरत हैं। हमारी कॉलोनी से कोई बस नहीं चलती। इसके कारण लोगों को प्रत्येक दिन अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। तथा लगभग 2 किमी पैदल चलकर ए-ब्लॉक बस स्टैंड तक आना पड़ता है। इसमें समय की बर्बादी के साथ शारीरिक-मानसिक परेशानी भी होती है।

अतः आपसे अनुरोध है कि विकासपुरी डी-ब्लॉक तक एक नया बस मार्ग (बस रूट) आरंभ करने की कृपा करें। इसके लिए | हम सब आपके आभारी रहेंगे। मुझे विश्वास है कि आप इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को इसके लिए उचित निर्देश देंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

कमल

14.

बाल विकास विद्यालय

साध नगर,पालम

दिल्ली

दिनांक . . . . . .

सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि कक्षा दसवीं बी के विद्यार्थी मोहित सिंह राणा का पेन भोजनावकाश में कहीं गिर गया है। यह पार्कर पेन नीले रंग का है। यदि किसी विद्यार्थी को भी यह पेन मिले तो कृपया मोहित को लौटा दें। आपका अति आभार होगा।

ह० . . . . . .

हेड बॉय

बाल विकास विद्यालय

साध नगर,पालम

OR

बाल भारती स्कूल

सूचना

30 मार्च, 2019

चैरिटी शो (गरीब लोगों के लिए)

विद्यालय द्वारा पास के स्लम एरिया के गरीब लोगों के लिए एक चैरिटी शो रखा गया है। यह 02 अप्रैल 2019 को विद्यालय के ऑडिटोरियम में होगा। विद्यार्थियों से निवेदन है कि एक मानवीय और सामाजिक कारण को ध्यान में रखते हुए इस शो को सफल बनाने हेतु अपना योगदान दें। राहुल

हैड ब्वाय

15. राहुल - श्रवण, मुझे बड़ा डर लग रहा है, कितना भयानक जंगल है।

श्रवण - डर तो मुझे भी लग रहा है राहुल !

राहुल - ये मोहित की वजह से हुआ है।

श्रवण - अरे ! मोहित कहाँ रह गया ? अभी तो यहीं था !

राहुल - हम कभी घर नहीं पहुँच पाएँगे . . .

श्रवण - चुप करो ! मोहित ! अरे मोहित !

मोहित - आ रहा हूँ ! वहीँ रुकना ! पैर में काँटा चुभ गया था !

राहुल - श्रवण, बचाओं !

मोहित - डरपोक कहीं का !

राहुल - तुम आ गए।

मोहित - हाँ आ गया। एक नंबर के डरपोक हो तुम दोनों।

OR

पहली महिला - दीदी! महँगाई के कारण मेरा मार्केट जाने का मन नहीं करता।

दूसरी महिला - इस महँगाई के युग ने मध्यम वर्ग के लोगों का जीना हराम कर दिया है।

पहली महिला - दीदी! जब सारे भ्रष्ट होने तो महँगाई तो बढ़ेगी ही।

दूसरी महिला - तुम ठीक कहती हो! शायद सरकार भूखा मारकर ही देश की जनसंख्या को घटाना चाहती हो।

16.

इन गर्मी की छुट्टियों में अपने भाषा ज्ञान को बढ़ाइए

PWN शॉर्ट टर्म लैंग्वेज क्लासिस

- हिंदी और अंग्रेजी भाषा को उच्च कोटि का ज्ञान
- ग्रुप डिस्कशन
- सबसे कम फीस में उपलब्ध
- मौखिक और लिखित कक्षाएँ
- व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण

- आइए और अपनी भाषा संबंधी समस्याओं को दूर कीजिए प्रवेश प्रारंभ
- प्रथम 25 इच्छुक लोगों को 10% की छूट

संपर्क करें : B-775 मोती नगर दिल्ली

फोन.नं. 011-40011XX

OR

सेल	सेल	सेल

PWN गारमेंट्स

कपड़ों की शानदार सेल

- सभी वस्त्रों पर 50% डिस्काउंट
- सुंदर व आकर्षक डिज़ाइन सेल
- सभी वर्गों के लोगों के लिए उपलब्ध
- सीमित समय के लिए

"""पहले आएँ पहले पाएँ"""

संपर्क करें : PWN गारमेंट्स, 94 मोती नगर, दिल्ली

फोन. नं. 98432363xx